प्रेस विज्ञप्ति

28.11.2025

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा आयोजित निरीक्षण प्रक्रिया में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार, उत्तर प्रदेश, और एन.सी.टी. दिल्ली राज्यों में 7 निजी मेडिकल कॉलेजों सहित 15 स्थानों पर 27.11.2025 को तलाशी अभियान चलाया है।

ईडी ने एसी III, सीबीआई, नई दिल्ली द्वारा कई निजी मेडिकल कॉलेजों, सरकारी अधिकारियों व अन्य के खिलाफ बीएनएस, 2023 की विभिन्न धाराओं तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत दर्ज की गई एक प्राथमिकी के आधार पर जाँच शुरू की। प्राथमिकी में आरोप है कि देश भर के विभिन्न निजी मेडिकल कॉलेजों के प्रतिनिधियों ने, भारत सरकार, नई दिल्ली के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी), नई दिल्ली से जुड़े कुछ सरकारी कार्मिकों के साथ मिलकर, मेडिकल कॉलेजों के निरीक्षण से संबंधित गोपनीय जानकारी को मेडिकल कॉलेजों से संबंधित प्रमुख प्रबंधकीय व्यक्तियों और बिचौलियों को गैरकानूनी रूप से उजागर किया, जिससे उन्हें मापदंडों में हेरफेर करने और मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक पाठ्यक्रम चलाने के लिए अनुमोदन प्राप्त करने में मदद मिली।

प्राथमिकी में यह भी खुलासा हुआ कि कई व्यक्तियों ने बिचौलिए के रूप में काम किया और मेडिकल कॉलेजों को संवेदनशील जानकारी के गैरकानूनी खुलासे में सुविधा प्रदान की और निरीक्षण के दौरान अनुपालन को कृत्रिम रूप से प्रदर्शित करने के लिए धोखाधड़ी वाली व्यवस्थाओं को प्रबंधित करने में उनकी सहायता की, जिनमें अनुकूल निरीक्षण रिपोर्ट सुनिश्चित करने के लिए मूल्यांककों को रिश्वत देना, गैर-मौजूद या प्रॉक्सी संकाय ("घोस्ट फैकल्टी") की तैनाती, और काल्पनिक रोगियों का प्रवेश शामिल है।

तलाशी अभियान श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एसआरआईएमएसआर), रायपुर, इंडेक्स मेडिकल कॉलेज, इंदौर, गायत्री मेडिकल कॉलेज, विशाखापत्तनम, फादर कोलंबो इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, वारंगल, स्वामीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (सिमसर), कलोल, नेशनल कैपिटल रीजन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, मेरठ और श्यामलाल चंद्रशेखर मेडिकल कॉलेज, खगड़िया सहित सात मेडिकल कॉलेजों सहित कई स्थानों पर चलाया गया।

तलाशी अभियान के दौरान, मोबाइल फोन, सर्वर में संग्रहीत डेटा सहित विभिन्न साक्ष्य जब्त किए गए हैं।

आगे की जांच जारी है।